सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 337 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 15 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सच्चाई का सामना ऐसे कीजिये जैसे कि वो है, ना की जैसी थी या आप उसे जैसा होना चाहते हैं।

-जैक वेल्च

कोहली-गिल और पंत रणजी ट्रॉफी... 7 | महाराष्ट्र में फिर छा रहे सियासी... 3 | महाकुंभ को लेकर सरकार के... 2

आप से घबराई भाजपा ने फिर चला गिरफ्तारी दांव!

गृह मंत्रालय ने शराब घोटाले में ईडी को दी मुकदमा चलाने की अनुमति

» थ्रिल व सस्पेंस से भरपूर हुआ दिल्ली विस चुनाव

» बीजेपी इस बार किसी भी कीमत पर दिल्ली की गद्दी पर काबिज होना चाहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विस चुनाव के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए जाने लगें हैं। सियासी गलियारे में चर्चा है कि वहां की सत्ता में बैठी आप सरकार की लोकप्रियता से घबराई भाजपा ने एक और बड़ा दांव चल दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली शराब घोटाला मामले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग केस में अरविंद केजरीवाल पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है।

ताजा अनुमति से दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की समस्याएं बढ़ना तय है। अनुमति मिलने के बाद ईडी उन्हें पूछताछ के लिए गिरफ्तार भी कर सकती है। केजरीवाल पहले ही दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार किये जाने की राजनीतिक भविष्यवाणी कर चुके हैं। उन्होंने पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली की मौजूदा सीएम आतिशी को भी गिरफ्तार किये जाने की बात कही थी। हालांकि बीजेपी के लिए केजरीवाल को चुनाव के दौरान गिरफ्तार करना एक आग के दरिया में तैर कर जाने जैसा साबित होगा। क्योंकि केजरीवाल की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी को भवनात्मक तौर पर लोगों का सपोर्ट मिलेगा।

राजनीतिक घेराबंदी

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बहुत पहले से ही राजनीतिक घेराबंदी शुरू कर दी थी। लंबे समय से दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिशें कर रही बीजेपी एक बार फिर से पांच साल के इंतेजार करने के मूड में नहीं है। फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रही । आरोप-प्रत्यारोप के बाद ईडी को मुकदमा चलाने की अनुमति मिलना आम आदमी पार्टी के खिलाफ बीजेपी की रणनीति बताई जा रही है।

केजरीवाल व सिसोदिया होंगे गिरफ्तार!

बीजेपी के लिए केजरीवाल को चुनाव के दौरान गिरफ्तार करना एक आग के दरिया में तैर कर जाने जैसा साबित होगा

वक्त बताएगा अवसर या आपदा

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका ने उन्हें एक बार फिर दिल्ली की राजनीति में चर्चा का केंद्र बिंदु बना दिया है। ईडी को अनुमति मिलना केजरीवाल को घेरने के तौर देखा जा रहा है। राजनीतिक विषलेशकों का यही कहना है कि केजरीवाल मानसिक रूप से एक मजबूत नेता है और उन्हें गिरफ्तारी का भय दिखा कर झुकाया नहीं जा सकता और न ही उनको समझौते के लिए मजबूर किया जा सकता है। हालांकि बीजेपी केजरीवाल की गिरफ्तारी को एक अवसर के तौर पर देख रही है। क्योंकि बीजेपी ने केजीरवाल के खिलाफ एक निगेटिव चुनावी कैंपेन चलाया। यदि एक बार फिर केजरवाल गिरफ्तार होते हैं तो बीजेपी को आप के खिलाफ लोगों में नाराजगी पैदा करने का मौका मिलेगा। बीजेपी इसे दिल्ली के विकास के खिलाफ केजरीवाल की साजिश के रूप में पेश कर सकती है। हालांकि, यह भी संभावित है कि इससे आप को सहानुभूति मिल जाए। आम आदमी पार्टी इस पूरे प्रकरण को जनता के बीच राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार हो रहे प्रकरण के तौर जनता के बीच में जा सकती है।

दिल्ली के उपराज्यपाल पहले दे चुके हैं मंजूरी

दिल्ली के उपराज्यपाल विजय कुमार सक्सेना पहले ही अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे चुके हैं। पिछले साल नवंबर में, सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि ईडी को सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने से पहले पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। अरविंद केजरीवाल ने इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया था कि उनके खिलाफ ईडी का आरोप पत्र अवैध है, क्योंकि अभियोजन शिकायत दायर करने से पहले अधिकारियों की पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। दिसंबर 2024 में, ईडी ने उपराज्यपाल को एक पत्र लिखकर कहा था कि मंजूरी दी जानी चाहिए क्योंकि केजरीवाल 'किंगपिन और प्रमुख साजिशकर्ता' हैं।

राहुल गांधी ने केजरीवाल व पीएम मोदी पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी की सफाई को लेकर पूर्व सीएम और उनके सहयोगी दल अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया। कांग्रेस नेता ने अपने एक्स अकाउंट पर राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में गंदगी को दिखाते हुए एक वीडियो साझा किया। उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है देखो दिल्ली देखो,चमकती हुई दिल्ली..पेरिस है पेरिस। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए गांधी ने याद दिलाया कि आप प्रमुख ने कहा था कि वह दिल्ली को साफ करेंगे, भ्रष्टाचार हटाएंगे और राष्ट्रीय राजधानी को पेरिस में बदल देंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, वास्तव में क्या हुआ - प्रदूषण के कारण कोई घूम नहीं सकता और महंगाई बढ़ रही है। गांधी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार हटाने की बात की थी। क्या उन्होंने भ्रष्टाचार हटा दिया है? जैसे मीडिया के माध्यम से मोदी जी का प्रचार, एक के बाद एक झूठे वादे करना, वह (केजरीवाल) उसी रणनीति का पालन कर रहे हैं। इसमें कोई अंतर नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच कोई अंतर नहीं है और वे नहीं चाहते कि पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को उनका उचित हिस्सा मिले। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सार्वजनिक बैठक में केजरीवाल पर विशेष रूप से निशाना साधते हुए, गांधी ने कहा कि आप संयोजक राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण, भ्रष्टाचार और मुद्रास्फीति के बावजूद मोदी की प्रचार और झूठे वादों की रणनीति का पालन कर रहे थे।

महाकुंभ को लेकर सरकार के दावे झूठे : अखिलेश

» बोले- आम श्रद्धालुओं की कोई सुनने वाला नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। पार्टी ने कहा है कि प्रयागराज में महाकुंभ को लेकर सरकार ने तमाम दावे किए लेकिन वहां पर सच्चाई कुछ और ही बयान कर रही है। श्रद्धालु परेशानियों से गुजर रहे है और अपनी शिकायतें कर रहे है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। तीर्थयात्री पीने के पानी, भोजन और सिर पर साये के लिए तरस रहे है। बुजुर्ग श्रद्धालु कई-कई किलोमीटर तक पैदल चलने पर मजबूर है।

सर्दी के मौसम से बचाव के लिए सरकार ने आम श्रद्धालुओं के लिए कोई इंतजाम नहीं किया। आस्था के कुंभ में श्रद्धालुओं से ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ होने के दावे किए जा रहे हैं। कुंभ स्नान, दान और पुण्य के लिए जाना जाता है। लेकिन सरकार गरीब नाविकों की नाव पर पाबंदी लगाकर उनकी रोजी-रोटी छीनने पर उतारू हो गई। जिनका जीवन नाव चलाकर चल रहा है उन्ही की नावें किनारें कर दी गई है। भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी ने पूरी व्यवस्था को चौपट कर दिया है। आम जनता त्रस्त है। जनता भाजपा से ऊब चुकी है। उसे 2027 का इंतजार है। जनता भाजपा को सत्ता से हटाकर उसके कुशासन का अन्त कर देगी।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। हर कार्य में कमीशनखोरी हो रही है, हर योजना भ्रष्टाचार की एक कहानी बन गयी है। मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। जनता का हर वर्ग परेशान है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल है। विकास कार्य अवरुद्ध है। बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी पर तो भाजपा सरकार का नियंत्रण ही नहीं है। भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है। यह सरकार कोई भी काम सही ढंग से नहीं कर पा रही है।

प्रधानमंत्री के दिखाए सपने भी अधूरे

प्रधानमंत्री जी ने सपना दिखाया था कि वे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को जापान के क्योटो शहर जैसा बना देंगे। वाराणसी स्मार्ट सिटी का अनोखा नमूना बन जाएगा। वाराणसी में मैदागिन पार्क में लगे फव्वारे, ओपन जिम के उपकरण खराब हो गए है। पैडल नाव और झूले भी टूट गए हैं वाराणसी में न तो स्ट्रीट लाइटें दुरूस्त हैं और न ही सड़के गड्ढामुक्त हैं। काशीवासियों को सिर्फ और सिर्फ गुमराह किया गया। अस्पतालों में इलाज और दवा की व्यवस्था बिगड़ी हुई है।

राजधानी लखनऊ का भी बुरा हाल

भाजपा सरकार ने स्मार्ट सिटी के नाम पर झूठे दावे किए। वाराणसी की तरह राजधानी लखनऊ का भी बुरा हाल है। सड़को पर गड्ढे है, साफ सफाई की व्यवस्था ध्वस्त है। जगह-जगह गड्ढों की शक्ल में भाजपा का भ्रष्टाचार सामने आ रहा है। लखनऊ में विकासनगर के बाद अब टेढ़ीपुलिया चौराहे से इंजीनियरिंग कालेज चौराहे की तरफ जाने वाली सड़क धंस गई है। जिन गांवो का नगर निगम ने अधिग्रहण किया वहां सामान्य नागरिक सुविधाओ का भी अभाव है।

सपा प्रमुख ने किया गंगा स्नान, सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मकर संक्रांति के मौके पर गंगा स्नान किया। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि मकर संक्रांति के पावन पर्व पर मां गंगा का आर्शीवाद लिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को हरिद्वार में गंगा स्नान किया। इसके फोटो उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म साझा किए। अखिलेश यादव पूर्व में ही कह चुके हैं कि वह पवन अवसरों पर गंगा स्नान करते हैं।

भाजपा ने चंद्रभान पासवान को घोषित किया प्रत्याशी, सपा के अजीत से है सीधी टक्कर

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। भाजपा ने चंद्रभान पासवान को अपना प्रत्याशी घोषित किया है।भाजपा प्रत्याशी चंद्रभान पासवान पेशे से वकील हैं। मिल्कीपुर के उपचुनाव में प्रमुख दावेदारों में शामिल थे। वह भाजपा की जिला इकाई में कार्य समिति के भी सदस्य हैं। उनकी पत्नी रुदौली से दो बार से जिला पंचायत सदस्य हैं। उनके पिता बाबा राम लखन दास ग्राम प्रधान है। इससे पहले सपा ने इस सीट पर सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। कांग्रेस ने इस सीट पर अपना उम्मीदवार न उतारकर गठबंधन के प्रत्याशी को समर्थन देने का एलान किया है।

कांग्रेस और बसपा चुनाव से दूर

वहीं बसपा ने इस सीट पर चुनाव न लड़ने का एलान कर दिया था। कांग्रेस और बसपा के इस चुनाव में सीधे तौर पर न आने से भाजपा और सपा के उम्मीदवार में सीधी टक्कर होगी। अब देखना यह होगा कि जनता किसे अपना नेता चुनती है।

जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करेगी कांग्रेस

» 2027 चुनाव की तैयारियां संगठन को मजबूत बनाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस ने आगे आने वाले 2027 विस चुनाव के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है। पार्टी संगठनात्मक ढांचे में पिछड़ों और दलितों पर फोकस करेगी। करीब 70 फीसदी पदों पर इस वर्ग को ही जिम्मेदारी मिलेगी। इसके जरिये कांग्रेस यह संदेश देगी कि वह आरक्षण सीमा बढ़ाने की हिमायती है। जिलाध्यक्षों के चयन में भी काफी हद तक इस फॉर्मूले का असर दिखेगा। पांच स्तरीय संगठन तैयार करने के बाद कांग्रेस नए कलेवर और अंदाज में सियासी मैदान में उतरेगी।

जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष पहली प्राथमिकता रहेगी। मूल संगठन में करीब 15 फीसदी अल्पसंख्यक और 15 फीसदी सामान्य वर्ग के पदाधिकारी होंगे। इनका चयन करते समय उनकी सक्रियता और जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि संगठनात्मक ढांचे में अलग-अलग जातियों को तवज्जो देकर पार्टी की ओर से राहुल गांधी के संदेश की झलक दिखाने का प्रयास किया जाएगा। क्योंकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से लगातार सामाजिक न्याय का मुद्दा उठाया जा रहा है। ऐसे में संगठनात्मक ढांचे में विभिन्न जातियों को भागीदारी देकर उनकी मांग को परिलक्षित करने का प्रयास किया जाएगा।

अजय राय एवं प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने की बैठक

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ छह जोन में सभी जिलों की अलग-अलग बैठक कर चुके हैं। इस दौरान जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदों के दावेदारों से भी बातचीत हुई है। हर स्तर पर फीडबैक लेने के बाद अब पांच स्तरीय संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश, जिला, मंडल, ब्लॉक और वार्ड कमेटी गठित की जाएगी। इन कमेटियों में पिछड़े, अति पिछड़े, दलित व अति दलितों को मिलाकर करीब 70 फीसदी पद देने की तैयारी है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि जोनवार बैठक में हर व्यक्ति से फीडबैक लिया गया है। कांग्रेस जाति, धर्म की पार्टी नहीं है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी निरंतर सामाजिक न्याय की वकालत कर रहे हैं। ऐसे में कोशिश है कि संगठनात्मक ढांचे में भी सामाजिक न्याय दिखे।

सपा, कांग्रेस, भाजपा से सावधान रहे समाज : मायावती

» अपने जन्मदिन पर पार्टी को बसपा प्रमुख ने दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने जन्मदिन के मौके पर पार्टी को नसीहत दी है। जन्मदिन के मौके पर मायावती ने कहा कि दूसरे दलों की नीति और नियत साफ नहीं है।

मायावती के साथ पार्टी के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनंद भी थे। बसपा चीफ ने कहा कि गरीबों दलितों के लिये हमने अपनी सरकारी में जो योजनाएँ चलाई उसको कई राज्यों ने लागू किया। पिछले कुछ वर्षों से दलित बेस वोट बैंक को तोड़ने के लिये सपा, कांग्रेस, भाजपा लगी है इनसे सावधान रहना है। ये सभी जातिवादी पार्टियां हैं। आरक्षण को इन सभी ने निष्प्रभावी बनाने का काम किया है. कांग्रेस की सरकारों में बाबा साहेब से लेकर सभी दलित चिंतकों की अवहेलना की गई है। भाजपा भी पीछे नहीं है। इस पार्टी के वरिष्ठ मंत्री ने बाबा साहेब का अपमान किया है और इसका पश्चाताप भी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने वाली पार्टियों के कथनी और करनी में काफी अंतर रहा है। पूर्व सीएम ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय भी दबा हुआ महसूस कर रहा है। गरीबी और बेरोजगारी से सब परेशान हैं। दलितों कांग्रेस, भाजपा और अन्य जातिवादी पार्टियों से सचेत हो जाओ। अपने मूवमेंट को आगे बढ़ाओ. दुःख इस बात का है चुनाव में हमारे लोग ऐसी सरकारों को सत्ता में लाते हैं जो पिछड़ों, दलितों को दबाते आ रहे हैं।

दिल्ली में बीएसपी दमदारी के साथ लड़ रही चुनाव

दिल्ली चुनाव के संदर्भ में बसपा चीफ ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीएसपी दमदारी के साथ चुनाव लड़ रही है। फ्री एंड फेयर चुनाव हों, ईवीएम में धांधली ना हो तो हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले यूपी बिहार के गरीब लोगों के साथ सरकार अच्छा नहीं कर रही है। दिल्ली में सबको सोच समझकर वोट करना चाहिये।

सीएम योगी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दी बधाई

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती का बुधवार को जन्मदिन है। पार्टी कार्यकर्ता इसे जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान जिला स्तर पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया। मायावती ने मॉल एवेन्यू स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर देश के राजनीतिक हालात पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए संदेश जारी किया। इसके बाद वे अपनी पुस्तक 'मेरे संघर्षमय जीवन एवं बसपा मूवमेंट का सफरनामा' भाग-20 (ब्ल्यू बुक) के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण का विमोचन भी किया। मायावती के जन्मदिन पर सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। दोनों ने ही सोशल मीडिया में उन्हें दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दीं।

एनडीए सरकार ने कर्नाटक के साथ धोखा किया : सिद्धारमैया

» बोले- केंद्र सरकार कर रही राज्य के कर अधिकारों में कटौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सवाल किया कि राज्य के भाजपा नेता कर्नाटक के हितों की रक्षा करने के बजाय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने में क्यों व्यस्त थे, जिन्हें उन्होंने विश्वासघात के लिए दोषी ठहराया था।

उन्होंने कर्नाटक के आर्थिक योगदान और उसके बजट आवंटन के बीच स्पष्ट अंतर की ओर इशारा किया। उनके अनुसार यह एनडीए सरकार द्वारा कर्नाटक के साथ एक बड़ा धोखा था। उन्होंने पोस्ट की शुरुआत यह कहते हुए की कि उन्होंने जानबूझकर कुछ दिन इंतजार किया यह उम्मीद करते हुए कि कर्नाटक भाजपा के नेता कन्नडिगाओं के लिए बोलने का साहस जुटाएंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने एक पोस्ट में कहा कि केंद्र ने 10 जनवरी को राज्य सरकारों को 1,73,030 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण जारी किया। सिद्धारमैया की पोस्ट में कर्नाटक को दी गई 6,310 करोड़ रुपये की राशि पर असंतोष व्यक्त किया गया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

महाराष्ट्र में फिर छा रहे सियासी बयान

» विपक्ष ने भाजपा पर बोला हमला

» कांग्रेस पर यूबीटी शिवसेना का प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाह, नितेश और राउत के बोल पर मचा बवाल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में सरकार बने लगभग दो महीने के आस-पास हो गये हैं। पर वहां के नेताओं के बयान अब भी चुनावी मोड वाले ही आ रहे हैं। सबसे ज्यादा बिगड़े बोल बीजेपी नेता नीतेश राणे के सुर्खियों में बने हुए हैं। भाजपा नेता व राज्य में कैबिनेट मंत्री ने ईवीएम को एवरी वोट अगेंस्ट मुल्ला कहा था। उनके बयान पर विपक्ष ने पूरी भाजपा को घेर लिया है। वहीं एनसीपी शरद पवार गुट के नेता शरद पवार ने कहा है कि भाजपा से टक्कर लेने के लिए एकुटता जरूरी है।

उधर अमित शाह ने महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद शरद पवार पर हमला बोला। पवार को प्रदेश की राजनीति का विलेन बताते हुए शाह ने उनकी राजनीति की आलोचना की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं की तारीफ की और विपक्ष की हार का कारण पवार की राजनीति को बताया। वहीं राज्य के सीएम ने बांग्लादेशी प्रवासियों का अवैध रूप से दस्तावेज प्राप्त करना वोट जिहाद भाग-2 बताकर सियासी पारा गरमा दिया है। इनसब बयानों के बीच यूबीटी शिवसेना ने अपने मुखमत्र में एकबार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है। अब ये सब बयान आने वाले नगर निगम में चुनाव कितना प्रभाव डालते हैं ये तो परिणाम से पता चलेंगे।

शरद पवार की वजह से हारा विपक्ष : अमित शाह

1978 में शरद पवार जी ने धोखेबाजी की जो राजनीति शुरू की थी, उसको 20 फुट जमीन में दफनाने का काम आप लोगों ने किया है... ये है बीजेपी के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह का विचार। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की बड़ी जीत और विपक्ष की शर्मनाक हार के संदेशों की व्याख्या करते हुए एनसीपी(एसपी) चीफ शरद पवार को प्रदेश की राजनीति का विलेन साबित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। शाह ने बीजेपी के राज्यस्तरीय सम्मेलन के समापन भाषण में न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं की कर्मनिष्ठा की तारीफ की बल्कि विपक्षी नेताओं, खासकर शरद पवार की बखिया उधेड़ डाली। शरद पवार की छवि भी राजनीति के चाणक्य की ही रही है।

जानकारों का एक वर्ग उन्हें भारतीय राजनीति का सौदागर कहने में बिल्कुल हिचक नहीं रखता। पवार ने स्वार्थ की राजनीति करने से कभी नहीं हिचके। अभी-अभी चहुंओर चर्चा हो रही थी कि पवार पाला बदलने को बेताब हैं। बात यहां तक पहुंच गई कि पवार अपनी पुत्री सुप्रिया सुले के राजनीतिक भविष्य में चार चांद लगाने की व्यवस्था कर ली है। सुप्रिया अब केंद्र में मंत्री बन सकती हैं जबकि एनसीपी को दो फाड़ करने वाले दादा अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति संभालेंगे। इन्हीं सहमतियों के आधार पर पालाबदल राजनीति में एक और अध्याय जुड़ने की खबरें आईं, लेकिन अमित शाह का भाषण संभावित डील की राह में फिर से अड़ंगे आने का संकेत दे रहा है। शरद पवार जब तक इंडिया ब्लॉक में हैं, तब तक एनडीए का विरोधी चेहरा ही रहेंगे। शाह ने इसलिए भी उन पर हमला बोला है। नीतीश ने इंडिया ब्लॉक की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वो गठबंधन के स्वरूप लेने से पहले ही निकल गए तो एनडीए की महत्वपूर्ण आकांक्षा पूरी हो गई। अभी ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव आदि के साथ शरद पवार विपक्षी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। महाराष्ट्र चुनाव में चारों खाने चित गिरे विपक्ष के लिए कम-से-कम कुनबे को जोड़े रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। शरद इस कुनबे का प्रमुख चेहरा हैं। इसलिए अमित शाह ने उन्हें निशाना बनाकर विपक्ष की राजनीतिक विश्वसनीयता पर सवाल और गहरा करने की कोशिश की है।

एकजुट रहना समय की मांग है : शरद पवार

महाराष्ट्र

क्षतिग्रस्त किये जाने के बाद हिंसा के लिए गिरफ्तार किये गये एक दलित युवक की मौत के बाद उपजे सामाजिक तनाव को सामान्य बनाने के प्रयासों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की है। बीड में नौ दिसंबर को मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच जुबानी जंग जारी है, क्योंकि संबंधित कथित जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक व्यक्ति को मंत्री धनंजय मुंडे का करीबी सहयोगी बताया गया है। देशमुख की हत्या के बाद राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं और इसने जाति संघर्ष की आशंकाओं को भी जन्म दिया है, क्योंकि देशमुख मराठा थे और गिरफ्तार किए गए लोगों में से कुछ वंजारी समुदाय से हैं। वहीं, दस दिसंबर को परभणी में हिंसा भड़कने के बाद गिरफ्तार किए गए युवक सोमनाथ सूर्यवंशी की 15 दिसंबर को अचानक तबीयत खराब होने के बाद जेल से अस्पताल ले जाए जाने के बाद मौत हो गई। यहां एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग सामाजिक रूप से जागरूक हैं और हमेशा एकजुट होकर खड़े रहते हैं और संकट के समय प्रशासन का सहयोग करते हैं। प्रमुख शरद पवार ने कहा कि उन्होंने बीड में एक सरपंच की हत्या और परभणी में संविधान की प्रति को क्षतिग्रस्त किये जाने के बाद हिंसा के लिए गिरफ्तार किये गये एक दलित युवक की मौत के बाद उपजे सामाजिक तनाव को सामान्य बनाने के प्रयासों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की है। बीड में नौ दिसंबर को मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच जुबानी जंग जारी है, क्योंकि संबंधित कथित जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक व्यक्ति को मंत्री धनंजय मुंडे का करीबी सहयोगी बताया गया है। देशमुख की हत्या के बाद राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं और इसने जाति संघर्ष की आशंकाओं को भी जन्म दिया है, क्योंकि देशमुख मराठा थे और गिरफ्तार किए गए लोगों में से कुछ वंजारी समुदाय से हैं। वहीं, दस दिसंबर को परभणी में हिंसा भड़कने के बाद गिरफ्तार किए गए युवक सोमनाथ सूर्यवंशी की 15 दिसंबर को अचानक तबीयत खराब होने के बाद जेल से अस्पताल ले जाए जाने के बाद मौत हो गई। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पवार ने मुख्यमंत्री के रूप में विनाशकारी लातूर भूकंप, जिसमें 10,000 से अधिक लोग मारे गए थे, और मुंबई में 1993 में हुए सिलसिलेवार धमाकों से निपटने के अपने अनुभव का हवाला दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग सामाजिक रूप से जागरूक हैं और हमेशा एकजुट होकर खड़े रहते हैं और संकट के समय प्रशासन का सहयोग करते हैं। पवार ने कहा किसामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एकजुट प्रयास की आवश्यकता है और एक मुख्यमंत्री अकेले ऐसा नहीं कर सकता। मैंने इन घटनाओं के बाद बीड और परभणी में मौजूदा स्थिति पर आज मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ विस्तृत चर्चा की। इन दिनों मेरा अधिकतर समय इस बात पर समर्पित है कि कैसे स्थिति को सामान्य किया जाए और बीड और परभणी में मुद्दों को कैसे सुलझाया जाए। उन्होंने कहा कि जो लोग सौहार्दपूर्ण तरीके से रहते थे, वे अब भय में जी रहे हैं और एक-दूसरे के प्रति शत्रुता पनप गई है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन चाहे जो भी हो, हमें लोगों को एकजुट रखने के लिए काम करना होगा।

बांग्लादेशी प्रवासियों का अवैध रूप से दस्तावेज प्राप्त करना वोट जिहाद भाग-2 है : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बांग्लादेशी प्रवासियों का भारत में मतदान का अधिकार हासिल करने के वास्ते राज्य में अवैध रूप से जन्म प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करना वोट जिहाद भाग 2 है। पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान फडणवीस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में एक समुदाय विशेष के भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ सामूहिक मतदान करने की घटनाओं का जिक्र किया था और इसे वोट जिहाद करार दिया था। अहिल्यानगर के शिरडी में प्रदेश भाजपा के सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा, बांग्लादेशी घुसपैठिए वोट जिहाद भाग 2 के तहत महाराष्ट्र में जन्म प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर रहे है। नासिक के मालेगांव तहसील और अमरावती में ऐसे लगभग 100 मामले सामने आए है। ए लोग, जिनमें से कई की उम्र 50 साल के आसपास है, अवैध रूप से दस्तावेज हासिल कर रहे है। उन्होने कहा कि महाराष्ट्र में एक भी घुसपैठिए को रहने नही दिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार जाति और संप्रदाय आधारित विभाजन पैदा करने की कोशिश करने वाली अराजकतावादी ताकतो से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होने लोगो से सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि यह संकल्प मजबूत हो। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद पार्टी कार्यकर्ताओ का मार्गदर्शन करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ की। विधानसभा चुनाव नतीजो के बाद आत्मसंतुष्टि के भाव के प्रति आगाह करते हुए फडणवीस ने कहा कि कार्यकर्ताओ को जन कल्याण के लिए ठोस प्रयास जारी रखने चाहिए। राज्य मे अगले कुछ महीनो मे होने वाले स्थानीय निकाय चुनावो की ओर इशारा करते हुए उन्होने कहा, हमे तैयार और एकजुट रहना चाहिए। हमे प्रधानमंत्री के एक है तो सेफ है मंत्र पर चलना चाहिए।

चुनाव के बाद से गठबंधन के सदस्यों के बीच बैठक न होना खतरनाक : राउत

शिवसेपा यूबीटी नेता यूबीटी राउत ने बताया कि चुनाव के बाद से गठबंधन के सदस्यों के बीच कोई बैठक या समन्वय नहीं हुआ है, जिसे वह गठबंधन की एकता के लिए हानिकारक मानते हैं। उन्होंने कहा लेकिन अब तक, लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी एक भी बैठक नहीं हुई है। यह इंडिया गठबंधन के लिए सही नहीं है। अब्दुल्ला, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने कथित तौर पर गठबंधन के भविष्य पर चिंता व्यक्त की है। राउत ने कहा, उमर अब्दुल्ला, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे नेता कहते हैं कि अब भारत गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है। शिवसेना नेता ने जोर देकर कहा कि अगर गठबंधन टूटता है, तो यह हमेशा के लिए टूट जाएगा। राउत ने कहा, अगर लोगों के मन में ऐसी भावना आती है, तो इसके लिए गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस जिम्मेदार है। कोई समन्वय नहीं है, कोई चर्चा नहीं है, कोई संवाद नहीं है। इसका मतलब है कि लोगों को संदेह है कि भारत गठबंधन में सब कुछ ठीक है या नहीं। राउत की टिप्पणी गठबंधन के भीतर बढ़ती चिंताओं को रेखांकित करती है, चेतावनी देते हुए कि एकता बनाए रखने में विफलता गठबंधन के अंत का संकेत दे सकती है।

नितेश राणे के बयान पर पीएम मोदी दें प्रतिक्रिया : मनोज झा

बीजेपी नेता नितेश राणे का बयान जिसमें उन्होंने कहा है कि ईवीएम का मतलब एवरी वोट अगेंस्ट मुल्ला। इस सवाल के जवाब में मनोज झा ने कहा कि कायदे से आपका माइक नरेंद्र मोदी के पास पहुंचना चाहिए। कल ही भारत मंडपम में बोल रहे थे युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए। नितेश राणे इस बात के प्रतीक है। क्या मजबूरी है कि उसको डांट फटकार नहीं सकते हैं। आप प्रज्ञा जी की तरह कहेंगे, उनको मन से माफ नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री जी आपकी बात में दोहरा चरित्र है। बीपीएससी अभ्यर्थियों को न्याय मिलेगा, आप डीले कर सकते हैं, लेकिन नजरअंदाद नहीं कर सकते।

सामना ने इंडिया गठबंधन के भविष्य पर उठाए सवाल

शिवसेना यूबीटी ने सोमवार को सामना के संपादकीय में फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और इंडिया ब्लॉक के भविष्य पर सवाल उठाए। सामना के संपादकीय में शिवसेना ने लिखा कि लोगों को लगने लगा है कि देश में इंडिया ब्लॉक और राज्य में महा विकास अघाड़ी एक गड़बड़ हो गई है। शिवसेना यूबीटी ने सोमवार को सामना के संपादकीय में फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और इंडिया ब्लॉक के भविष्य पर सवाल उठाए। सामना के संपादकीय में शिवसेना ने लिखा कि लोगों को लगने लगा है कि देश में इंडिया ब्लॉक और राज्य में महा विकास अघाड़ी एक गड़बड़ हो गई है। हर क्षेत्रीय पार्टी को अपनी भूमिका, कैडर और अस्तित्व बनाए रखना होता है और कांग्रेस पार्टी यह समझने को तैयार नहीं है। कांग्रेस कई राज्यों में अपने दम पर नहीं लड़ सकती। लड़ने के लिए बहुत ताकत नहीं है, लेकिन क्षेत्रीय दलों को चुनाव लड़ने के लिए एकजुट रहना होगा। पिछले हपते, शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक के भविष्य को लेकर चिंता जताई थी, जिसमें विपक्षी गठबंधन के समन्वय की कमी के बारे में उमर अब्दुल्ला की भावनाओं को दोहराया था।

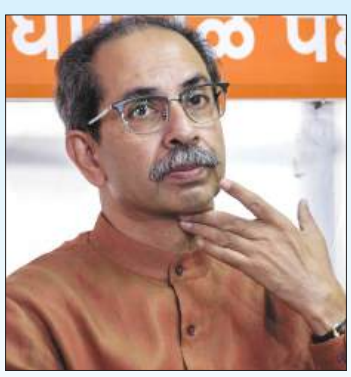

उन्होंने गठबंधन के भविष्य की दिशा तय करने के लिए लोकसभा चुनावों के बाद किसी भी रणनीतिक बैठक की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। गठबंधन की मौजूदा स्थिति के बारे में बोलते हुए राउत ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के बयान से सहमति जताई, जिसमें नेतृत्व, एजेंडा या इंडिया ब्लॉक के अस्तित्व के बारे में स्पष्टता की कमी को उजागर किया गया है। राउत ने कहा मैं उमर अब्दुल्ला की बात से सहमत हूं। हमने लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था और नतीजे भी अच्छे आए थे। उसके बाद, हम सभी की, खासकर कांग्रेस की, जिम्मेदारी थी कि हम इंडिया गठबंधन को जिंदा रखें, साथ बैठें और आगे का रास्ता दिखाएं। उधर वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने आरोप लगाया कि उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) के शिवसेना गुट ने आदित्य ठाकरे के निजी हित के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को तोड़ने का फैसला किया। इस बीच, इस सवाल के जवाब में कि महा विकास अघाड़ी टूट की ओर बढ़ रही है और गठबंधन में सभी दल अलग-अलग चुनाव लड़ सकते हैं, उन्होंने कहा कि मेरा कहना यह है कि चाहे वे एक साथ लड़ें, अलग-अलग लड़ें, एकजुट रहें या अलग हो जाएं, हमारा ध्यान इस पर नहीं है। हमारा ध्यान महाराष्ट्र की प्रगति की दिशा में काम करने पर है। आने वाले सभी चुनावों में जनता का आशीर्वाद हमारे साथ रहेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भीषण आग के सामने बेबस अमेरिका!

अमेरिका के कैलिफोर्निया की भीषण आग ने लॉस ऐजंलिस में गत कई दिनों से भारी तबाही मचा रखी है। वहां की फिल्मों के गढ़ हालीवुड के कई कलाकारों के बंगले भी इस आग की चपेट में आकर स्वाहा हो गए हैं। सैकड़ों लोग प्रभावित हुए हैं इस आगजनी में 20 से ज्यादा की मौत हो चुकी है। करोड़ों डालर की संम्पति राख हो चुकी है। पूरी दुनिया में अपनी दादागिरी से सबको अंकुश लगाने की कोशिश करने वाला अमेरिका आग के सामने बेबस है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। अधिकारियों ने जंगल की इस आग के पीछे सूखे मौसम की तरफ इशारा किया है, जिसकी वजह से पेड़-पौधे सूख गए और उनमें आग फैलना आसान हो गया। लॉस ऐंजिलिस में 150 वर्षों का सबसे शुष्क मौसम है।

पश्चिमी अमेरिका में बड़े पैमाने पर जंगलों में लगी भीषण आग का संबंध क्लाइमेट चेंज से है। बढ़ती गर्मी, लंबा सूखा और प्यासा वायुमंडल आग के इस खतरे के पीछे है। जमीन से समुद्र तट की ओर बहने वाली 100 किमी./घंटे की तेज हवाओं ने आग को तेजी से फैलाया। आग बुझाने में लगे विमान और हेलिकॉप्टर भी इस कारण से कई बार उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। उधर देश में इसपर सियासत भी हो रही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आग की वजह से अपना इटली का दौरा रद्द कर दिया है। जो बाइडन ने कहा कि हम आग को रोकने में मदद के भी करने को तैयार हैं। चाहे कितना वक्त लगे। फेडरल गवर्नमेंट तब तक यहां रहेगी, जब तक आपको हमारी जरूरत होगी। डोनाल्ड ट्रम्प ने कैलिफोर्निया की आग के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन का जिम्मेदार ठहराया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि फायर हाइड्रेंट में पानी नहीं है, फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) के पास पैसा नहीं है। जो बाइडेन मेरे लिए यही सब छोड़कर जा रहे हैं। शुक्रिया जो। ट्रम्प ने एक अन्य पोस्ट में कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजकम पर तंज किया। ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। वो ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही वो पनामा नहर पर कब्जा करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान साबित करना। लेकिन खुद को सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। आग जब जंगलों से निकलकर शहरों तक पहुँचती है तो भीषण तबाही आती है। कुल मिलाकर अमेरिका सरकार को राजनीति छोड़ इस तबाही से बने की कोशिश करनी चाहिए।

“ पूरी दुनिया में अपनी दादागिरी से सबको अंकुश लगाने की कोशिश करने वाला अमेरिका आग के सामने बेबस है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। अधिकारियों ने जंगल की इस आग के पीछे सूखे मौसम की तरफ इशारा किया है, जिसकी वजह से पेड़-पौधे सूख गए और उनमें आग फैलना आसान हो गया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दिल्ली में गलत ट्रैक पर जा रही है कांग्रेस

संतोष पाठक

देश की राजनीति के मैदान में राहुल गांधी को लगातार गलतियां करने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। कई बार तो राहुल गांधी जीता हुआ चुनाव भी हार जाते हैं। आरोप तो यहां तक लगाया जाता है कि राहुल गांधी के इर्द-गिर्द जो नेता रहते हैं, वे चाहते ही नहीं है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव जीते। इसलिए कांग्रेस के नेता लगातार राहुल गांधी को अजब-गजब फैसले लेने के लिए उत्साहित और प्रेरित करते रहते हैं। राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यह बात बिल्कुल सौ फीसदी सही है कि कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपराजेय पार्टी के तौर पर स्थापित हुई है लेकिन उतना ही बड़ा सच यह भी है कि कांग्रेस पार्टी अपना वह पुराना वोट बैंक आप से पूरी तरह से छीनने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में बेहतर तो यह होता कि कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक को पाने के लिए फेज वाइज रणनीति बनाकर, उसे अमल में लाती लेकिन इसकी बजाय कांग्रेस रणनीतिक तौर पर एक बहुत बड़ी गलती करते हुए दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस MOS फॉर्मूला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी जहां-जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है। राहुल गांधी के करीबियों ने उन्हें यह सलाह देकर, एक बार फिर से उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस पार्टी को गलत ट्रैक पर डाल दिया है।

दरअसल, राहुल गांधी को कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए MOS की बजाय BDM के फॉर्मूले को अपनाना चाहिए जिसके बल पर जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक देश पर राज कर चुके हैं। BDM फॉर्मूले का मतलब है - ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समुदाय। इसी समीकरण के बल पर कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया है। लोकसभा चुनाव के समय से ही मुस्लिम मतदाताओं के बड़े वर्ग ने कांग्रेस की तरफ लौटना शुरू कर दिया है। दिल्ली में भी इस बार के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का वोट बड़े पैमाने पर कांग्रेस को मिलने की संभावना है और अगर कांग्रेस भाजपा को हराती हुई नजर आई तो पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देते हुए नजर आएगा। लेकिन इसके लिए कांग्रेस को BDM फॉर्मूले के - ब्राह्मण और दलित को भी अपने साथ जोड़ना होगा। दिल्ली का दलित आज की तारीख में अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा है और उन्हें अपने पाले में लाने के लिए राहुल गांधी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के मान-सम्मान की लड़ाई को और ज्यादा तेज करना पड़ेगा। ब्राह्मण मतदाताओं की बात करें तो दिल्ली में यह समाज आज की तारीख में भाजपा, आप और कांग्रेस - तीनों ही पार्टियों में बंटा हुआ है। राहुल गांधी अगर थोड़ी सी कोशिश भी करेंगे तो अन्य राजनीतिक दलों के ओबीसी राग से नाराज ब्राह्मण समाज पूरी तरह से कांग्रेस के पाले में खड़ा नजर आएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस MOS फॉर्मूला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी जहां-जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली के चुनावी मैदान में उतर कर पहली जनसभा कर सकते हैं। राहुल गांधी को जोर-शोर से दिल्ली में चुनावी जनसभाएं, रोड शो और रैलियां करनी ही चाहिए। लेकिन उन्हें कांग्रेस के पूरे चुनाव प्रचार अभियान को BDM केंद्रित ही बनाना चाहिए और इसे जमीनी धरातल पर उतर कर क्रियान्वित भी करना चाहिए। गौर करने वाली बात यह है कि ब्राह्मण मतदाताओं का बड़े पैमाने पर साथ आना अन्य अगड़ी जातियों को भी कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रेरित कर सकता है।

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

उमेश चतुर्वेदी

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं।

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है। यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है।

जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है।

इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है। आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं। हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है।

घर पर फेशियल करने का तरीका

जेंटल फेस वॉश से अपने चेहरे को साफ करें। होम मेड या बाजार से खरीदे गए स्क्रब से चेहरे की कम से कम 5 मिनट तक स्क्रबिंग करें। फेस पर स्टीम लें, ताकि इसके बाद जो भी प्रॉडक्ट लगाए जाएं, वो अच्छे से एब्जॉर्ब हो सकें। रिच मॉइस्चराइजर से चेहरे की 10 मिनट तक मसाज करें। इस दौरान स्ट्रोक्स कैसे रखने हैं, इसके लिए आप इंटरनेट पर मौजूद वीडियोज की मदद ले सकती हैं। फेस क्लीन करने के बाद घर पर तैयार या फिर बाजार से लाया हुआ फेस पैक लगाएं। इसे 15 मिनट तक रखें। चेहरे को हल्के गर्म पानी से क्लीन करें और फिर क्रीम लगाएं। आप चाहें तो बादाम तेल या फिर स्किन को सूट करने वाला कोई एसेंशियल ऑयल भी लगा सकती हैं।

हर 15 दिन में कराना चाहिए फेशियल

इस बात में तो कोई शक ही नहीं कि स्किन को हर थोड़े दिन में डीप क्लीन करने की जरूरत होती है। इसके साथ ही नरिशमेंट भी बेहद अहम होता है। इन दोनों ही जरूरतों को फेशियल काफी अच्छे से पूरा करता है। यही वजह है कि चाहे जिस भी स्किन एक्सपर्ट के पास चले जाएं, वो फेशियल करवाने के लिए जरूर कहता है। आमतौर पर महिलाएं महीनेभर में या दो महीने में एक बार इसे करवाती हैं। हालांकि, अगर महीने में दो बार यानी हर 15 दिन में एक बार फेशियल करवाया जाए, तो इससे स्किन को ज्यादा फायदा पहुंचता दिखेगा। 15 दिन में एक बार फेशियल करवाने पर स्किन को क्लीन रखने में मदद मिलती है। ये पोर्स को साफ करने के साथ ही डेड स्किन को रिमूव करता है। साथ ही ब्लैकहेड्स से लेकर वाइटहेड्स को हटाता है। महीने में जब दो बार स्किन को डैमेज करने वाली इन चीजों को हटाया जाए, तो त्वचा ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनी रह पाती है।

इस तरह काम करता है फेशियल

फेशियल ऐसा स्किनकेयर ट्रीटमेंट है, जिसमें अलग-अलग प्रॉडक्ट्स और टेक्नीक्स के कॉम्बिनेशन के जरिए एक से डेढ़ घंटे के अंदर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने की कोशिश की जाती है। इसमें एक्सफॉलिएशन के जरिए डेड स्किन और इम्प्यूरिटी रिमूव की जाती है। और सूदिंग मास्क एंड क्रीम्स से त्वचा को हाइड्रेशन दिया जाता है। और जिन हैंड मूवमेंट्स का यूज होता है, वो एजिंग साइन्स को कम करने से लेकर फेस शेप को और उभारने में मदद करते हैं।

ऐसे होता है फेशियल

चेहरे को क्लेन्जर से क्लीन किया जाता है। फिर स्क्रब का इस्तेमाल कर स्किन एक्सफॉलिएट की जाती है। टैनिंग रिमूव करने के लिए मास्क लगाया जाता है। ये करीब 10 से 15 मिनट के लिए रखा जाता है। फेशियल के लिए खासतौर पर तैयार क्रीम्स से मसाज की जाती है। इस दौरान मसाजिंग टेक्नीक्स का इस्तेमाल कर स्किन रिलैक्सेशन के साथ ही फेस कॉन्टूरिंग पर फोकस किया जाता है। इसे करीब 20 मिनट से लेकर आधे घंटे तक किया जाता है। उसके बाद चेहरे को साफ करने के बाद फेस पैक लगाया जाता है। ये करीब 15 से 20 मिनट तक लगा रहता है। आखिर में चेहरा एक बार फिर से साफ करने के बाद फेस क्रीम और सनस्क्रीन लगाई जाती है।

एक्सपर्ट कहते हैं

डर्मेटोलॉजिस्ट रश्मी शेट्टी ने अपने वीडियो में शेयर किया कि किसी को कितनी बार फेशियल करवाना चाहिए, इसे लेकर कोई सेट रूल नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी की ड्राई स्किन है तो महीने में दो बार फेशियल करवाना स्किन को हाइड्रेशन पाने और चेहरे को प्लम्प लुक देने में मदद करेगा। डॉक्टर ने ये भी कहा कि जिनकी ऐसी स्किन है, जिसके पोर्स जल्दी क्लॉग हो जाते हैं, या वाइटहेड्स एंड ब्लैकहेड्स आ जाते हैं, तो वो भी 15 दिन में एक बार क्लीनअप करवा सकते हैं। हालांकि, सेंसेटिव स्किन वालों को डॉक्टर रश्मी ने सोच-समझकर फेशियल करवाने की सलाह दी, क्योंकि ऐसा त्वचा बहुत जल्दी इरिटेट हो जाती है, जो समस्याओं को जन्म दे सकती है।

हंसना मना है

लड़की - अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की - पर क्यों? लड़का- कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है !

लड़की- परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का- अगर में तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता- तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज़ आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? संता - मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाये तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं!

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी।

वृषभ व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं।

मिथुन व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे।

तुला नौकरीपेशा को आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें।

धनु कारोबार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें।

कुम्भ आज घर में मांगलिक कार्य के चलते ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

महिला किरदारों के साथ अत्याचारी व्यवहार करते हैं बड़े निर्देशक : कंगना

कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी में भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इजरजेंसी में कंगना ने अभिनय के साथ ही निर्देशन भी किया है। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड निर्देशकों पर अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि अगर इंडस्ट्री में अच्छे फिल्म निर्माता होते तो उन्हें अपनी फिल्मों का निर्देशन नहीं करना पड़ता। कंगना ने बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों पर ताना कसते हुए कहा कि जिस तरह से वे महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं वह अत्याचारी है। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, उन्होंने साउथ की फिल्मों में महिला नायक को जिस तरह से दिखाया किया जाता है, उससे भी अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि वह उनकी जगह नहीं बनना चाहतीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, कंगना रनौत ने कहा, मैं अपने आस-पास के निर्देशकों से निराश हूं। हमारे पास अच्छे निर्देशक नहीं हैं। अगर हमारे पास अच्छे निर्देशक होते, तो मुझे खुद निर्देशन करने की जरूरत नहीं पड़ती। यह किसी का अपमान करने के लिए नहीं है, लेकिन पूरी ईमानदारी से, अगर आपको लगता है कि कोई ड्रीम डायरेक्टर है ,जिसके साथ मैं काम करना चाहती हूं, तो ऐसा कोई नहीं है। कंगना ने आगे कहा पिछले पांच सालों से मेरा यही मामला रहा है। खासकर वे जो बड़ी फिल्में बना रहे हैं, जिनमें महिला किरदारों के साथ व्यवहार करते हैं, वह दूसरे स्तर पर अत्याचारी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में एक भी ऐसा निर्देशक नहीं है जिसके साथ वह काम करना चाहती हों। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने इंटरव्यू में आगे कहा, चाहे क्वीन हो, तनु वेड्स मनु हो या फिर मेरे शुरुआती सालों में मैंने गैंगस्टर, फैशन जैसी फिल्में की हों। इन सभी फिल्मों में मेरे सभी निर्देशक नए थे। मैंने कभी किसी खान की फिल्म या यशराज की फिल्म में काम नहीं किया। कंगना ने कहा, मैं निर्देशकों, लेखकों से बहुत निराश रही हूं और मैंने सोचा बस अब बहुत हो गया। मैं कुछ करूंगी और खुद ही करूंगी। यह बहुत अच्छा रहा है।

वामिका गब्बी ने शुरू कर दी भूत बंगला के लिए शूटिंग

साल 2026 में रिलीज होगी फिल्म

वामिका गब्बी अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। वामिका इस फिल्म की शूटिंग के लिए जयपुर पहुंच गई हैं। उन्होंने सेट से अपना पहला लुक भी साझा किया है। वामिका ने अपना चेहरा कवर कर रखा है।

पहले ही खबरें आ चुकी हैं कि वामिका अक्षय कुमार की भूत बंगला में नजर आने वाली हैं। सेट से अब वामिका ने अपने बीटीएस मोमेंट्स शेयर किए हैं। उन्होंने लिखा कि ये नहीं चाहते कि मैं अपना लुक नहीं दिखाऊंगी।

जयपुर शेड्यूल में शहर के प्रतिष्ठित स्थानों पर कई आउटडोर शूटिंग शामिल होने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी।

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, भूत बंगला का निर्माण शोभा कपूर और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा किया गया है। फिल्म का सह-निर्माण फारा शेख और वेदांत बाली ने किया है। कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है और पटकथा रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन ने लिखी है। संवाद रोहन शंकर के हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अगले महीने रिलीज होगी दिलजीत की फिल्म पंजाब 93

दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95 काफी समय से चर्चा में है। यह फिल्म अपने कंटेंट की वजह से लंबे समय से अटकी पड़ी है। हालांकि, अब लग रहा है कि यह फिल्म जल्द रिलीज हो सकती है। हाल ही में दिलजीत ने अपनी इस फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी साझा की।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, बहुप्रतीक्षित फिल्म फरवरी में रिलीज हो रही है। इस हम अपने एलबम की रिलीज को स्थगित कर रहे हैं। दिलजीत ने अपने इंस्टा स्टोरी पर फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया, लेकिन साझा की गई तस्वीरों से फैंस यह अंदाजा लगा रहे हैं कि वह अपनी फिल्म पंजाब 95 की बात करें रहे हैं। अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर दिलजीत ने कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, मैं अंधकार को चुनौती दे रहा हूं। उनकी इस पोस्ट पर अब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। एक यूजर ने लिखा, मुझे खुशी है कि दुनिया इस फिल्म को देख सकेगी और जसवंत सिंह खालड़ा के बारे में जान सकेगी। एक अन्य ने लिखा, इस तरह के किरदार केवल दिलजीत ही निभा सकते हैं। इसके अलावा और भी बहुत से यूजर्स ने फिल्म के जल्द रिलीज होने की खबर जानकर अपनी खुशी व्यक्त की।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95 लंबे समय से विवादों में है। फिल्म का निर्देशन हनी त्रेहान ने किया है। यह मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जीवन पर आधारित बायोपिक है। इसका निर्माण रॉनी स्क्रूवाला ने किया है। निर्माताओं ने फिल्म का नाम पहले घल्लूघारा रखा था, लेकिन बाद में इसे पंजाब 95 कर दिया गया। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने निर्माताओं से इस फिल्म के नाम को भी बदलने की बात कही थी।

अजब-गजब | इस मंदिर में पुजारी नहीं पाहन करवाते हैं पूजा

जेल में बंद अपराधी अपनी रिहाई के लिए तपेज बाबा धाम पर करते हैं प्रार्थना

झारखंड के चतरा जिले में स्थित तपेज बाबा धाम एक ऐसा धार्मिक स्थल है, जहां आस्था और चमत्कार की कहानियां हर दिन लिखी जाती हैं। इस स्थान की अनोखी बात यह है कि यहां केवल आम लोग ही नहीं, बल्कि नक्सली और अपराधी भी मन्नत मांगने आते हैं। यह स्थान लोगों की आस्था का केंद्र है, जहां हर साल हजारों भक्त अपनी समस्याओं के समाधान और मन्नतें पूरी करने की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं।

तपेज बाबा धाम को एक पवित्र मंडार के रूप में जाना जाता है। यहां के स्थानीय लोग बताते हैं कि तपेज बाबा एक प्रसिद्ध साधु थे, जिन्हें सिद्धि प्राप्त थी। उनकी दिव्यता को देखते हुए ग्रामीण उन्हें अपने गांव ले आए और जंगल में उनका निवास स्थान बनाया। बाबा ने जीवनभर भक्तों की समस्याओं का समाधान किया। उनके परलोक सिधारने के बाद ग्रामीणों ने उनके नाम पर यह धाम बनाया, जो आज चमत्कारों से भरा धार्मिक स्थल बन गया है।

तपेज बाबा धाम की एक और अनोखी बात यह है कि यहां पूजा पुजारी नहीं, बल्कि पाहन करवाते हैं। तपेज बाबा धाम की पाहन, पूनिया देवी, बताती हैं कि उनका परिवार आठ पीढ़ियों से बाबा की सेवा

कर रहा है। यह पूजा पद्धति पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाजों पर आधारित है। भक्त यहां अपनी समस्याओं का समाधान पाने और मन्नत मांगने के लिए आते हैं।

इस धाम में मन्नत पूरी होने के बाद भक्त बलि चढ़ाते हैं। सालभर यहां रोजाना 200 से 300 बलि दी जाती है, जिसमें मुख्य रूप से सुअर, बकरा और मुर्गे की बलि चढ़ाई जाती है। यह अनुष्ठान स्थानीय परंपराओं का हिस्सा है और बाबा के प्रति भक्तों की गहरी आस्था को दर्शाता है। तपेज बाबा धाम की लोकप्रियता केवल आम भक्तों तक सीमित नहीं है। यहां एक समय नक्सली और अपराधी भी मन्नत मांगने आते थे। कहा जाता है कि जेल में बंद अपराधी अपनी रिहाई के लिए बाबा से प्रार्थना करते थे। इसके अलावा, जिनके परिवार में संतान नहीं होती या जिनकी शादी में बाधा आ रही हो, वे भी यहां आकर बाबा से मन्नत मांगते हैं।

यहां एक विशेष प्रथा यह भी है कि मन्नत पूरी होने के बाद भक्त पूजा-अर्चना करके एक पत्थर उठाकर एक ढेर में रखते हैं। यह पत्थर बाबा के प्रति कृतज्ञता और उनकी कृपा का प्रतीक है। आज इस धाम में पत्थरों का अंबार लग चुका है, जो यहां आने वाले भक्तों की संख्या और उनकी आस्था को दर्शाता है।

तपेज बाबा धाम सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि झारखंड की समृद्ध परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है। यहां की अनोखी पूजा-पद्धति और चमत्कारिक कहानियां इसे पूरे क्षेत्र में खास बनाती हैं। चाहे संतान प्राप्ति हो, शादी में अड़चनें हों, या जीवन में कोई और बड़ी समस्या, बाबा के दरबार में हर भक्त की फरियाद सुनी जाती है।

इस आइलैंड के लिए मैनेजर की तलाश सैलरी जानकर तुरंत कर देंगे अप्लाई!

आजकल नौकरियों की इतनी कमी है, कि लोगों को जहां भी, जिस भी सेक्टर में नौकरी का पता चलता है, वो अप्लाई कर देते हैं। 1-2 पोस्ट के लिए भी लाखों लोग अप्लाई कर देते हैं। हाल ही में एक नौकरी निकली है, जिसकी लोकेशन के बारे में सुनकर शायद भारतीय लोग अप्लाई करने के बारे में न सोचें, मगर जब सैलरी का पता चलेगा, तब तो जरूर लोग तुरंत अप्लाई कर देंगे! चलिए आपको बताते हैं कि आखिर इस नौकरी में क्या खास बात है।

न्यूयॉर्क पोस्ट वेबसाइट के अनुसार स्कॉटलैंड में एक आइलैंड है, जिसका नाम है हांडा । ये आइलैंड यूरोप में प्रमुख सीबर्ड ब्रीडिंग कॉलोनी है। इस आइलैंड के लिए एक मैनेजर की तलाश हो रही है। पर हैरानी की बात ये है कि इस आइलैंड पर कोई भी नहीं रहता है। यानी जो भी यहां रहेगा, वो पूरी तरह अकेले रहेगा। दरअसल, स्कॉटिश वाइल्डलाइफ ट्रस्ट आइलैंड के लिए रेंजर की तलाश में है। ये आइलैंड सदरलैंड के पश्चिमी तट की ओर स्थित है। आइलैंड तक जाने के लिए टार्बेट से ऑन-डिमांड फेरी मिलती है। जब तक नौकरी का कॉन्ट्रैक्ट होगा, तब तक मैनेजर को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाएगा। चूंकि आइलैंड पर कोई नहीं रहता है, इस वजह से बैचलर के साथ-साथ कपल्स के लिए भी ये ओपनिंग है, यानी दो लोग भी आइलैंड की देखरेख के लिए जा सकते हैं। यहां रहने वाले लोगों को शॉपिंग, बैंक या लॉन्ड्री के लिए पास के एक गांव, स्कूरी तक जाना पड़ेगा। हांडा आइलैंड रेंजर इस खूबसूरत आइलैंड की देखरेख का काम करेंगे। ये रेंजर वर्क प्रोग्राम आयोजित करेगा, वॉलेंटीयर्स को मैनेज करेगा। हांडा के वाइल्डलाइफ का ध्यान रखना और हर साल आने वाले करीब 8 हजार सैलानियों को संभालने का भी काम इसी रेंजर को करना होगा। चलिए अब बात करते हैं कि सैलरी कितनी होगी और योग्यता क्या है। यूं तो इस नौकरी के लिए कोई खास योग्यता की डिमांड नहीं की गई है। पर मरीन और टेरेस्ट्रियल नेचरल हिस्ट्री की जानकारी होनी चाहिए। ड्राइविंग लाइसेंस और एक गाड़ी की भी आवश्यकता है। ये पोजीशन मार्च से 6 महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर है और इसकी सैलरी है 31 हजार डॉलर (करीब 27 लाख रुपये)।

बिहार में मीसा-तेजस्वी के बयान से फिर घमासान

नीतीश कुमार को लेकर राज्य में जारी है कयासबाजी

» राजनीतिक पार्टियों ने चूड़ा-दही के बहाने जोड़े सियासी तार

» अब कोई खेला नहीं होगा बस चुनाव होगा : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजनीति की उठापटक जारी है। सीएम नीतीश कुमार को लेकर राजद के प्रमुख नेताओं व सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेजस्वी व पुत्री मीसा भारती फिर बयान दिया है। उन दोनों के बयान पर मकरसंक्रांति पर बिहार में फिर घमासान मच गया है। राजद की सांसद मीसा भारती ने कहा है राजनीति में कुछ भी हो सकता है। नीतीश कुमार के लिए हमारे दरवाजे खुले हुए हैं। उधर पूर्व सीएम तेजस्वी ने कहा कि अब कोई खेला नहीं होगा बस चुनाव होगा।

राबड़ी आवास से निकलने के बाद पशुपति पारस या प्रिंस राज समेत रालोजपा के किसी भी नेता ने पत्रकारों से कोई बातचीत नहीं की। गाड़ी में बैठे सभी नेता मीडिया के कैमरे से बचते हुए तेजी से निकल गये। हां ये अलग बात है कि इस बात पर सवाल पूछने पर तेजस्वी यादव ने बस इतना ही कहा कि अब कोई खेला नहीं होगा। बस चुनाव होगा। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश अब फैसले लेने में असमर्थ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की सरकार रिटायर्ड अधिकारियों और बाहरी ताकतों के इशारों पर चल रही है। इसके साथ ही सीएम की प्रगति यात्रा पर तेजस्वी ने काफी तीखा हमला किया है। तेजस्वी ने बिहार में बढ़ते भ्रष्टाचार और अधिकारियों की कथित लूट को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार मूकदर्शक बने हुए हैं। उनके नेतृत्व में प्रशासनिक अराजकता बढ़ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिहार सरकार बीजेपी के इशारों पर चल रही है और कुछ लोग मुख्यमंत्री को 'हाईजैक' कर चुके हैं।

लोगों को कुछ भी कहने की स्वतंत्रता है: ललन सिंह

इससे पहले केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह ने लालू के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश के लिए महागठबंधन के दरवाजे हमेशा खुले

हैं। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा, हम (जेडीयू) एनडीए के साथ हैं और पूरी मजबूती के साथ हैं। लोग क्या कहते हैं, मैं उस पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकता-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। लोग जो चाहें कह सकते हैं।

राजनीति में असंभव कुछ भी नहीं : मीसा भारती

बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी, जेडी (यू) को लेकर एक और राजनीतिक बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच, राजद सांसद और लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने वह बयान छेड़ दिया है, जिससे आने वाले दिनों में सियासी हलचल और तेज हो सकती है। राजद के साथ गठबंधन में नीतीश की संभावित वापसी के बारे में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए भारती ने कहा कि काफी समय से चर्चा चल रही है...मुझे नहीं लगता कि कुछ होने वाला है। अपने जवाब में राजद नेता ने आने वाले दिनों में किसी भी संभावित राजनीतिक उथल-पुथल से इनकार कर दिया। राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा,मैं कहती रहती हूं कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी... खरमास (मकर संक्रांति से पहले एक अशुभ अवधि) आज के बाद समाप्त हो जाएगा। राजनीति सहित सभी शुभ कार्यक्रम आज के बाद हो सकते हैं।

एनसीपी (एसपी) आप को दिल्ली में देगी समर्थन : शरद पवार

» बोले- सिर्फ राष्ट्रीय चुनावों के लिए है इंडिया गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महा विकास अघाड़ी के सहयोगियों के बीच संभावित दरार की ओर इशारा करते हुए, राकांपा (सपा) सुप्रीमो शरद पवार ने संकेत दिया कि उद्धव की सेना की तरह, उनकी पार्टी भी आगामी मुंबई नागरिक चुनाव अकेले लड़ेगी। पवार ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का गठन केवल राष्ट्रीय स्तर के चुनावों के लिए किया गया था और नगरपालिका या राज्य चुनाव एक साथ लड़ने के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि उन्होंने दिल्ली चुनाव में आप को समर्थन देने की बात कही है। पवार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि जब इंडिया ब्लॉक का गठन हुआ, तो चर्चा केवल राष्ट्रीय मुद्दों और चुनावों के बारे में थी।

स्थानीय निकाय चुनावों या राज्य चुनावों के संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई। हालाँकि, पवार ने यह भी कहा कि एमवीए घटकों के बीच एक बैठक आयोजित की जाएगी ताकि यह तय किया जा सके कि क्या पार्टियों को अकेले नागरिक चुनाव लड़ने के लिए आगे बढ़ना चाहिए या गठबंधन में रहना चाहिए और एक साथ लड़ना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर 8-10 दिन में बैठक कर फैसला लिया जाएगा कि हम साथ लड़ेंगे या अकेले। गठबंधन के भीतर हमारा संवाद है।

मकर संक्रांति पर गरीबों को बांटे संस्थान ने कंबल

» नव ज्योति सेवा संस्थान ने किए कई कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मकर संक्रांति के अवसर पर नव ज्योति सेवा संस्थान की टीम ने इमामबाड़ा क्षेत्र में सड़कों पर रहने वाले जरूरतमंदों को रात्रि में कंबल वितरित किए। संस्था की टीम ने ठंड से जूझ रहे लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें राहत देने का प्रयास किया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि सर्दी में खुले आसमान के नीचे रहना बेहद कठिन होता है।

कंबल पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी और संतोष की झलक दिखी, और उन्होंने संस्था को दिल से दुआएं दीं। नव ज्योति सेवा संस्थान समाज में जागरूकता और मानवता को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर है। उनका मानना है कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं।

एसआई भर्ती की जांच होनी चाहिए : पायलट

» बोले- आखिर भजनलाल सरकार किसके दबाव में है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। राजस्थान में कांग्रेस नेता सचिप पायलट ने भजनलाल की बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को लेकर पायलट ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि सरकार के मंत्री सरकार की एजेंसी भर्ती को रद्द करने की बात कर रहे हैं। पायलट ने कहा कि विपक्ष में रहकर संघर्ष करने वाले भाजपा नेता किरोड़ीलाल मीणा भी भर्ती रद्द करने की मांग कर चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद भी सरकार ने कोर्ट में भर्ती रद्द करने से इनकार कर दिया है।

पायलट ने कहा कि इस पूरे मामले में जांच की जानी चाहिए कि आखिर सरकार पर किसका दबाव है। किसके दबाव में सरकार भर्ती रद्द नहीं कर रही है। पायलट ने जिले खत्म करने और इंग्लिश मीडियम स्कूलों को बंद करने को लेकर किए गए सवाल पर भी सरकार को जमकर घेरा। पायलट ने दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव सहित अन्य कई मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। विधायक सचिन पायलट ने टोंक जिले के नवाबपुरा, मेहंदवास, छापरीया और बंबोर सहित कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान पायलट ने सरकारी विद्यालयों में करोड़ों रुपये की लागत से नवनिर्मित क्लास रूम का लोकार्पण किया। पायलट ने गांव के लोगों के साथ जनसुनवाई भी की।

मेरे लिए बाबा साहब अंबेडकर भगवान हैं : जीतू पटवारी

भोपाल। जब से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संसद में एक बयान आया है मध्य प्रदेश में लगातार अंबेडकर पर सियासत जारी है। इसी कड़ी में एक दिन पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने आरोप लगाया था कि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के कार्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर की फोटो राहुल गांधी के नीचे लगाई गई। जिससे उनका अपमान हो रहा है जीतू पटवारी को माफी मांगनी चाहिए इस पर जीतू पटवारी ने पलट बार करते हुए कहा है कि मेरे ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के समय बापू और बाबा साहब की फोटो बैक ड्रॉप में लगी थी। बाकी फोटो ऑफिस में पहले से लगी हुई हैं। बीजेपी झूठ भी ऐसा बोलती है जिसमे पकड़े जाते हैं। मैं भीमराव अंबेडकर को भगवान मानता हूं आप मानते हैं या नहीं। जीतू पटवारी ने कहा कि बीजेपी को फोटो याद रहते हैं, लेकिन बाबा साहब का संविधान का पाठ याद नहीं रहता। बीजेपी के अध्यक्ष अमित शाह के बयान पर चुप रहते हैं। संसद में अमित शाह ने जो कहा उस पर बीजेपी के लोग क्यों नहीं बोलते। अमित शाह ने जो कहा उस बयान की तो देश भर में निंदा हो रही है। उनका संसद में दिया गया वक्तव्य, उस वीडियो को दुनिया देख रही है और उसकी आलोचना कर रही है।

कोहली-गिल और पंत रणजी ट्रॉफी में लेंगे हिस्सा!

» टीमों के संभावित खिलाड़ियों में किये गये शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का बल्ला भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुछ खास नहीं चला था। इसके अलावा शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके हैं। अब इन तीनों खिलाड़ियों का नाम रणजी ट्रॉफी के अगले दौर के लिए टीम के संभावित खिलाड़ियों में शामिल हो गया है, इससे अटकलों का बाजार गर्म हो गया है कि क्या कोहली, गिल और पंत भी घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे?

बता दें कोहली और पंत का नाम भले ही संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है, लेकिन अबतक ना तो चयनकर्ताओं ने कोहली से इसमें खेलने के बारे में बात की है और ना ही विराट ने रणजी ट्रॉफी में खेलने को लेकर इच्छा जाहिर की है। कोहली आखिरी बार रणजी ट्रॉफी में 2012 में खेले थे, जबकि पंत ने अंतिम बार 2017 में घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। वहीं शुभमन गिल ने रणजी ट्रॉफी के छठे दौरे के मुकाबले में खेलने की पुष्टि कर दी है। शुभमन पंजाब के लिए कर्नाटक के खिलाफ 23 जनवरी से बंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैच में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, इस मैच के लिए पंजाब टीम की घोषणा अब तक नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुभमन ने रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए खुद को उपलब्ध रखा है।

रोहित शर्मा ने रणजी के लिए शुरू किया अभ्यास

मुंबई। भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा का फॉर्म उनके साथ नहीं है। ऐसे में रोहित मंगलवार को मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम के साथ प्रैक्टिस करने पहुंचे। इसका आयोजन मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर किया गया था। वहां उन्होंने लंबे समय तक बैटिंग की। मुंबई को रणजी ट्रॉफी में अपना अगला मुकाबला जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेलना है। रोहित शर्मा का इस मुकाबले में खेलना तय नहीं है। एमसीए के एक सूत्र ने बताया कि शर्मा ने अभी तक अपनी उपलब्धता नहीं बताई है और वह अभी भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि रणजी ट्रॉफी लीग मैच खेलेंगे या नहीं। रोहित ने आखिरी बार 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी का मुकाबला खेला था।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया भारत के संविधान का अपमान : राहुल गांधी

» कांग्रेस सांसद ने आरएसएस प्रमुख के बयान को बताया देशद्रोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने संविधान पर हमला किया। यह देशद्रोह और संविधान का अपमान है। राहुल गांधी ने कहा कि कल मोहन भागवत ने कहा कि संविधान हमारी स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं है। लेकिन इसके बाद भी पंजाब, कश्मीर, पूर्वोत्तर में हमारे हजारों कार्यकर्ता मारे गए। मगर कांग्रेस फिर भी कुछ खास मूल्यों के लिए खड़ी रही है। हम इस इमारत में उन मूल्यों को देख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी दुनिया स्वयं से बाहर पर ध्यान केंद्रित करती है, जबकि भारतीय सोच का तरीका स्वयं को समझने के बारे में है। भारत में भी स्वयं के बारे में दो दृष्टिकोण हैं, जो संघर्ष है। एक हमारा संविधान का विचार और दूसरा आरएसएस का विचार है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत हर 2-3 दिन में देश को यह बताते हैं कि वे स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं? कल उन्होंने जो कहा वह देशद्रोह है। भागवत ने कहा कि संविधान अमान्य है और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई अमान्य थी। भारत में उन्हें सार्वजनिक रूप से यह कहने की हिम्मत है। किसी अन्य देश में अगर वे ऐसा कहते तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता और उन पर मुकदमा चलाया जाता। यह कहना कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली हर भारतीय का अपमान है। अब समय आ गया है कि हम इस बकवास को सुनना बंद करें, क्योंकि ये लोग सोचते हैं कि वे बस रटते रहेंगे और चिल्लाते रहेंगे।

देश की आवाज को कुचलना चाहते हैं भागवत

राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि आज जो लोग सत्ता में हैं, वे तिरंगे को सलाम नहीं करते, राष्ट्रीय ध्वज को नहीं मानते, संविधान को नहीं मानते और भारत के बारे में उनका नजरिया हमसे बिल्कुल अलग है। वे चाहते हैं कि भारत को एक छायादार, छिपा हुआ और गुप्त समाज चलाए। वे चाहते हैं कि भारत को एक आदमी द्वारा चलाया जाए और वे इस देश की आवाज को कुचलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ी जातियों और आदिवासियों की आवाज को बंद करना चाहते हैं। यह उनका एजेंडा है और मैं कहना चाहूंगा कि इस देश में कोई भी दूसरी पार्टी नहीं है जो उन्हें रोक सके। उन्हें रोकने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है। इसका कारण यह है कि हम एक वैचारिक पार्टी हैं और हमारी विचारधारा कल नहीं उभरी है। हमारी विचारधारा आरएसएस की तरह हजारों साल पुरानी है और हम हजारों सालों से आरएसएस की विचारधारा से लड़ रहे हैं।

कांग्रेस के नये मुख्यालय का सोनिया गांधी ने किया उद्घाटन

करीब पांच दशक पुराने कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय का पता अब बदल कर 9ए कोटला रोड हो गया है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी के नए दफ्तर का उद्घाटन किया। पार्टी का नया मुख्यालय छह मंजिला है, जिसे इंदिरा गांधी भवन के नाम से पुकारा जाएगा। पार्टी मौजूदा 24 अकबर रोड कार्यालय को यथावत रखेगी। उद्घाटन से पहले पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इसे पार्टी अपने विशिष्ट कार्यों के लिए इस्तेमाल करेगी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने दिसंबर, 2009 में नए भवन की आधारशिला रखी थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि उद्घाटन समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे।

खरगे-राहुल और प्रियंका रहे मौजूद

24 अकबर रोड कांग्रेस का दफ्तर 1978 में उस वक्त बना, जब पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही थी। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी लोकसभा का चुनाव हार गई थी और तमाम नेता पार्टी छोड़कर जा रहे थे।

ऐसे समय में 1980 के चुनाव में भारी बहुमत से कांग्रेस पार्टी की सत्ता में फिर वापसी हुई थी।

डल्लेवाल के अनशन का 51वां दिन, सरकार मौन

» 111 किसान भी खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन का आज 51वां दिन है। आज से उनके समर्थन में 111 किसान खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन शुरू करेंगे। खनौरी बॉर्डर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। उधर किसान नेताओं ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मोदी सरकार को चेतावनी दी है कि उनकी मांगों को नहीं माना तो वह और बड़ा आंदोलन करेगा।

हरियाणा पुलिस के डीएसपी किसानों के साथ बैठक करने पहुंचे थे, लेकिन कोई बातचीत नहीं बनी। किसानों ने कहा कि वह बॉर्डर के समीप अनशन करेंगे। बीकेयू सिद्धूपुर के प्रधान और खनौरी मोर्चा की अगुवाई के रहे काका सिंह कोटड़ा ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती तब तक 111 किसानों का जत्था आमरण अनशन करेगा और डल्लेवाल के साथ अपने प्राणों की आहुति देगा।

डल्लेवाल का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने कहा कि उनकी सेहत हर दिन बिगड़तीजा रही है। कांग्रेस नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि किसान बहुत भावुक हैं और उनका मानना है कि वे डल्लेवाल के बलिदान से पहले अपना बलिदान दे देंगे।

18 के बाद देशभर में सरकार के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा : टिकैत

इससे पहले किसान नेता राकेश टिकैत ने किसानों के साथ एक बड़ी बैठक की थी। बैठक के बाद टिकैत ने कहा था कि देश में फिर बड़े किसान आंदोलन की जरूरत है। इसकी मांग उठ रही है. उन्होंने कहा कि शहर, दर शहर वह घूम रहे हैं। सभी का मानना है कि देश में कठोर शासक के खिलाफ लोगों में नाराजगी है। उन्होंने ने 18 जनवरी को एक बड़े फैसले लेने का ऐलान भी किया है। वहीं, किसान नेता ने इस बात की भी जानकारी दी है कि 26 जनवरी को भी चार साल से चली आ रही परंपरा के मुताबिक ट्रैक्टर रैली निकाली जाएगी। टिकैत ने कहा है कि सरकार 18 जनवरी से पहले बड़ा कदम उठाए, नहीं तो देशभर में किसान उनके खिलाफ फिर से मोर्चा खोल देंगे।

== हाईकोर्ट का अहम फैसला ==

तलाक लिए बिना अलग रह रही महिला करवा सकती है गर्भपात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि तलाक लिए बिना अपने पति से अलग रह रही महिला पति की सहमति के बिना भी गर्भ समाप्त कर सकती है।

महिला ने अपने पति की सहमति के बिना अपना 18 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने के मोहाली के फोर्टिस अस्पताल को निर्देश देने की मांग की थी। याची ने बताया कि गर्भपात के लिए निर्धारित अवधि से अधिक का गर्भ नहीं होने के कारण उसकी गर्भावस्था चिकित्सकीय रूप से समाप्त की जा सकती है।

फोटो: सुमित कुमार

महाकुंभ संगम घाट पर आयोजित प्रयागराज महाकुंभ में वृंदावन से आए अनिरुद्धाचार्य महाराज ने गाड़ी पर बैठकर प्रयागराज आए श्रद्धालुओं का अभिवादन किया।

प्रदेश में कोहरे व बारिश से बढ़ी ठिठुरन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मकर संक्रांति के अगले दिन पूरे प्रदेश का मौसम एक बार फिर से बिगड़ गया है। कुछ जिलों में बुधवार की सुबह घना कोहरा देखा गया तो कहीं पर हल्की बारिश से सुबह शुरू हुई। नए विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में फिर बदलाव देखने को मिला।

बुधवार के लिए मौसम विभाग ने बुंदेलखंड व आगरा क्षेत्र के 16 जिलों में गरज चमक संग वज्रपात और 18 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इधर लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, बलिया आदि में मंगलवार को कोहरे की घनी चादर की वजह से दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। इटावा, मुजफ्फरनगर और बुलंदशहर सात डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश में सबसे ठंडे रहे। वहीं बुधवार के लिए 42 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि ज्यादातर जगहों पर घने कोहरे के साथ पछुआ हवा अभी ठंड का अहसास कराती रहेगी।

लखनऊ में होगी बारिश

राजधानी के मौसम में फिर से बदलाव की आहट है। घने कोहरे और गलन के बीच बृहस्पतिवार को लखनऊ में बादलों की आवाजाही संग हल्की बूंदाबांदी के संकेत हैं। मंगलवार को सुबह की शुरुआत घने कोहरे और गलन भरी हवाओं के साथ हुई। देर सुबह हुई गुनगुनी धूप ने मकर संक्राति की रौनक बढ़ा दी। हालांकि शाम होते ही पछुआ हवाओं के जोर से गलन व ठंड फिर से हावी हुई। मौसम विभाग की माने तो पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार के बाद मौसम में फिर से बदलाव के संकेत हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।